सीएसए में हुआ राज्य कृषि अधिकारी और कृषि वैज्ञानिक पैनल डिस्कशन

शाश्वत टाइम्स

कानपुर/ चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को कृषि वैज्ञानिकों एवं राज्य कृषि अधिकारी पैनल डिस्कशन हुआ।कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार के क्षेत्र में भविष्य की रणनीतियों पर विचार मंथन के लिए कुलपति की अध्यक्षता में वैज्ञानिकों और राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों के बीच विचार विमर्श किया गया जिसमें भविष्य में कृषि की आवश्यकता के अनुकूल किस प्रकार की शिक्षा हो और कृषि के विकास में विशिष्टता लाने के लिए शोध में किस प्रकार परिवर्तन किया जाए जिससे

किसानों को अधिक उपज के साथ अधिकतम लाभ कैसे मिले पर विचार विमर्श किया गया। जिसके अंतर्गत अपर कृषि निदेशक टी एम त्रिपाठी , प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश सरकार पियूष कुमार शर्मा ने शिक्षा एवं शोध के विभिन्न प्रस्ताव के प्रारूप और उसके वित्तीय स्वरूप पर विचार विमर्श किया। निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. विजय यादव द्वारा मेंटीनेंस ब्रीडिंग पर प्रभावी परियोजना के लिए सुझाव दिए गए। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. सी एल मौर्य द्वारा कार्यक्रम का कोऑर्डिनेशन किया गया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय में राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न परियोजनाओं और उनकी प्रगति के बारे में अधिकारियों वैज्ञानिकों को बताते हुए भविष्य की रणनीति पर सुझाव आमंत्रित करते हुए कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए निर्देशन दिया। कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष सभी ने विचार मंथन में अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन प्रो.सर्वेश कुमार द्वारा किया गया।

किसानों को अधिकतम लाभ को लेकर रणनीति बनाना जरूरी

सीएसए में राज्य कृषि अधिकारी और कृषि वैज्ञानिक के बीच हुआ पैनल डिस्कशन

कार्यक्रम में शामिल कुलपति व अन्य।

कानपुर, 1 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आज कृषि वैज्ञानिकों एवं राज्य कृषि अधिकारी पैनल डिस्कशन हुआ। कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार के क्षेत्र में भविष्य की रणनीतियों पर विचार मंथन के लिए कुलपति की अध्यक्षता में वैज्ञानिकों और राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों के मध्य विचार विमर्श किया गया। सीएसए के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय में राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न परियोजनाओं और उनकी प्रगति से अधिकारियों वैज्ञानिकों को अवगत कराते हुए भविष्य की रणनीति पर सुझाव आमंत्रित करते हुए कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए निर्देशन दिया। कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षा शोध एवं प्रसार की भविष्य की रणनीतियां के लिए वित्तीय स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार से दिए जाने वाले परियोजना अनुदान के संबंध में रखी गई विभिन्न मांगों को भी कार्यक्रम में सम्मिलित किया गया। भविष्य में कृषि की आवश्यकता के अनुकूल किस प्रकार की शिक्षा हो और कृषि के विकास में विशिष्टता लाने के लिए शोध में किस प्रकार परिवर्तन किया जाए, कि किसानों को अधिक उपज के साथ अधिकतम लाभ कैसे मिले पर रणनीति तैयार करने पर तीन दिवसीय विचार विमर्श किया गया।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
अंक : 192 कानपुर, शनिवार 2 अगस्त 2025 RNI UPHIN/2010/47220 पृष्ठ

कृषि विश्वविद्यालय में हुआ राज्य कृषि अधिकारी और कृषि वैज्ञानिक पैनल डिस्कशन

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज कृषि वैज्ञानिकों एवं राज्य कृषि अधिकारी पैनल डिस्कशन डिस्कशन हुआ ।कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार के क्षेत्र में भविष्य की रणनीतियों पर विचार मंथन हेतु कुलपति की अध्यक्षता में वैज्ञानिकों और राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों के मध्य विचार विमर्श किया गया ।जिसमें भविष्य में कृषि की आवश्यकता के अनुकूल किस प्रकार की शिक्षा हो और कृषि के विकास में विशिष्टता लाने के लिए शोध में किस प्रकार परिवर्तन किया जाए, कि किसानों को अधिक उपज के साथ अधिकतम लाभ कैसे मिले पर रणनीति तैयार करने पर तीन

दिवसीय विचार विमर्श किया गया ।जिसमें श्री टी एम त्रिपाठी अपर कृषि निदेशक , पियूष कुमार शर्मा प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षा एवं शोध के विभिन्न प्रस्ताव के प्रारूप और उसके वित्तीय स्वरूप पर विचार विमर्श किया साथ ही निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव द्वारा मेंटीनेंस ब्रीडिंग पर प्रभावी परियोजना हेतु सुझाव प्रस्तुत किया ।अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य द्वारा उपरोक्त संपूर्ण कार्यक्रम का कोऑर्डिनेशन किया गया। कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय में राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न परियोजनाओं और उनकी प्रगति से अधिकारियों वैज्ञानिकों को अवगत कराते हुए भविष्य की रणनीति पर सुझाव आमंत्रित करते हुए कार्यक्रम को प्रभावी बनाने हेतु निर्देशन दिया। कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षा शोध एवं प्रसार की भविष्य की रणनीतियां हेतु वित्तीय स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार से दिए जाने वाले परियोजना अनुदान के संबंध में रखी गई विभिन्न मांगों को भी कार्यक्रम में सम्मिलित किया गया। विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष सभी ने विचार मंथन में अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर सर्वेश कुमार द्वारा किया गया।

सत्य का असर समाचार पत्र

02,08,2025,jksingh hardoi Gmail com मोबाइल नंबर 9956834016

पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल

कृषि विश्वविद्यालय में हुआ राज्य कृषि अधिकारी और कृषि वैज्ञानिक पैनल डिस्कशन

पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज कृषि वैज्ञानिकों एवं राज्य कृषि अधिकारी पैनल डिस्कशन डिस्कशन हुआ।कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार के क्षेत्र में भविष्य की रणनीतियों पर विचार मंथन हेतु कुलपति की अध्यक्षता में वैज्ञानिकों और राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों के मध्य विचार विमर्श किया गया।जिसमें भविष्य में कृषि की आवश्यकता के अनुकूल किस प्रकार की शिक्षा हो और कृषि के विकास में विशिष्टता लाने के लिए शोध में किस प्रकार परिवर्तन किया जाए, कि किसानों को अधिक उपज के साथ अधिकतम लाभ कैसे मिले पर रणनीति तैयार करने पर तीन दिवसीय विचार विमर्श किया गया।जिसमें श्री टी एम त्रिपाठी अपर कृषि निदेशक , पियूष कुमार शर्मा प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षा एवं शोध के विभिन्न प्रस्ताव के प्रारूप और उसके वित्तीय स्वरूप पर विचार विमर्श किया साथ ही निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव द्वारा मेंटीनेंस ब्रीडिंग पर प्रभावी परियोजना हेतु सुझाव प्रस्तुत किया।अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य द्वारा उपरोक्त संपूर्ण कार्यक्रम का कोऑर्डिनेशन किया गया। कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय में राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न परियोजनाओं और उनकी प्रगति से अधिकारियों वैज्ञानिकों को अवगत कराते हुए भविष्य की रणनीति पर सुझाव आमंत्रित करते हुए कार्यक्रम को प्रभावी बनाने हेतु निर्देशन दिया। कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षा शोध एवं प्रसार की भविष्य की रणनीतियां हेतु वित्तीय स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार से दिए जाने वाले परियोजना अनुदान के संबंध में रखी गई विभिन्न मांगों को भी कार्यक्रम में सम्मिलित किया गया। विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष सभी ने विचार मंथन में अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर सर्वेश कुमार द्वारा किया गया।